वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण आधारित 36 स्लोगन

1. घर में हो फूलों की क्यारी।
   हरी–भरी हो दुनिया सारी।।

2. धरती पर कम न हो वन।
   ध्यान रखें हम मानव जन।।

3. वायु, ध्वनि और जल प्रदूषण।
   मानव जाति के विनाश के कारण।।

4. आओ मिलकर पेड़ लगाये, बनकर हम सब माली।
   धरती माता मांग रही हम सबसे हरियाली।।

5. धन – धान्य पुष्प भरा।
   अपनी यह वसुंधरा।।

6. सुंदर धरती, समृद्ध वन।
   देते हमको, जीवन धन।।

7. पेड़ पौधे लगायें।
   स्वच्छ भारत बनायें।।

8. आओ मिलकर पेड़ लगायें।
   धरती मॉ की शान बढ़ायें।।

9. वृक्षों का न करो हरण।
ऐसे बचाओ पर्यावरण।।

10. हर घर में दो पेड़ लगाना
पर्यावरण को स्वच्छ बनाना।।

11. वनस्पति धरती का आभूषण है।
इसे बचाने का संकल्प करें।।

12. पर्यावरण की यही है शिक्षा।
पेड़ करेंगे जीवन रक्षा।।

13. पेड़ हमें देते, छाया और फल।
हरियाली और चहल पहल।।

14. अगर न होते पेड़ भला।
फिर हरियाली फैलाता कौन।।

15. सुंदर धरती समृद्ध वन।
देते सबको जीवन धन।।

16. पेड़ काट न करो मनमानी।
इनको पूजो रीत पुरानी।।

17. धरती पर कम न हो वन।
ध्यान रखें हम मानव जन।।

18. पेड़ लगायें, कई हजार।
ये धरती मॉ का श्रृंगार।।

19. वन परिवेश न घटने दें।
एक भी पेड़ न कटने दें।।

20. फूल खिले न माली बिना।
जीवन नहीं हरियाली बिना।।

21. वृक्ष हमें गर्मी से बचायें।
ये ही वर्षा लेकर आयें।।

22. वृक्ष, स्वच्छ पर्यावरण के आधार।
स्वस्थ्य जीवन का ये ही सार।।

23. वनों का न करो संहार।
ये देते अनमोल आहार।।

24. पेड़ लगाओ पेड़ लगाओ।
धरती मॉ की शान बढ़ाओ।।

25. धरती मॉ कर रही पुकार।
वृक्षों से करो मेरा श्रृंगार।।

26. वन नहीं तो हम नहीं।

27. जंगल है अनमोल रतन।

इन्हें बढ़ाने का करो जतन।।

28. जंगल रहे, ताकि नदियॉ बहें।

29. जंगल हमारा धन है, जंगल हमारे प्राण हैं।
जंगल खनिजों की खान है, जंगल हमारे भगवान हैं।।

30. जंगल नहीं, तो मंगल नहीं।

31. सांसे हो रही है कम।
आओ पेड़ लगाये हम।।

32. जंगल नदियों से जुड़े, इनसे जुड़ा समाज।
जब सबकुछ लय में चले, तब बजता है साज।।

33. प्रकृति की शान जंगल।
ईश का वरदान जंगल।।

34. आदमी का कद बढ़ा है।
और जंगल का कद घटा है।।

35. आज दूषित मन हुआ है।
और प्रदूषित वन हुआ है।।

36. हम सभी का बोझ वन पर रोज बढ़ता जा रहा है।
संतुलन पर्यावरण का अब बिगड़ता जा रहा है।।